**खबर संक्षेप**

### जेल घाट में किया गया श्रमदान

**मण्डला।** पुण्य सलिल माँ नर्मदा के जल तथा तटों को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से नमामि नर्मदे सेवा अभियान के अंतर्गत नर्मदा जी के घाटों की सफाई सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन की पहल पर शनिवार को जेल घाट में वृहद स्तर पर श्रमदान किया गया। जेल घाट को स्वच्छ रखने के लिए जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, स्थानीय नागरिक तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों ने सम्मिलित रूप से श्रमदान किया। जेल घाट में काई तथा एकत्र मिट्टी को श्रमदान के माध्यम से हटाया गया। साथ ही जेल घाट में उपस्थित लोगों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए उन्हें नगर तथा नर्मदा के घाटों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, नगर पालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकारगण, समाजसेवी एवं स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों तथा आम नागरिकों ने सहभागिता की। जिला प्रशासन के आव्हान पर श्रमदान के माध्यम से नर्मदा जी के जल और तट को स्वच्छ रखने का प्रयास किया जा रहा है।

### नरवाई जलाना वातावरण, मृदा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है

**मण्डला।** नरवाई पराली जलाना एक बड़ी समस्या है, इससे वातावरण में प्रदूषण फैलता है एवं मृदा के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। नरवाई जलाने पर रोकधाम किया जाना अति आवश्यक है। नरवाई जलाने से वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ता है और मृदा का कार्बनिक प्रदार्थ कम होने के साथ-साथ मृदा के लाभकारी सूक्ष्म जीव भी नष्ट होते हैं। सुपरसीडर का करें उपयोग फसल अवशेष प्रबंधन अंतर्गत जिले में सुपरसीडर से पहली बार बोनी हो रही है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा सुपरसीडर से बोनी करने हेतु किसानों को जागरूक किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने स्वयं सुपरसीडर के प्रदर्शन का अवलोकन किया और किसानों को नरवाई न जलाकर सुपरसीडर के उपयोग हेतु कृषकों को प्रेरित किया। सुपर सीडर के उपयोग से धान कटाई उपरांत नई फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए अलग से कल्टीवेटर, रोटावेटर और सीड ड्रिल की आवश्यकता नहीं पड़ती है। एक ही यंत्र से तीनों काम एक साथ एक ही समय में हो जाता है। समय की बचत के साथ साथ लागत भी बहुत कम हो जाती है। सुपरसीडर खरीदी में 1.05 लाख की सब्सिडी भी है। हार्वेस्टर से धान कटाई उपरांत सुपर सीडर से सीधे रबी फसलों की बोनी करने पर किसानों को 10 से 15 दिन की बचत होती है और लागत में भी कमी होती है।

## दूसरी पत्नि को पुत्री बताकर कराई गई जमीन की रजिस्ट्री

# फौती कटवाने के नाम पर धोखाधड़ी

*** अंगूठा लगवाकर हो गई भूमि की पूरी रजिस्ट्री।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भूमि के क्रय विक्रय मामले में रजिस्ट्रार ऑफिस के अधिकारी सजग रहते हैं कि कोई फर्जीवाड़ा ना हो। वैंसे तो माना जाता है कि यहां गलतियॉ नहीं होती, किन्तु एक मामला जिले के निवास रजिस्ट्रार ऑफिस का प्रकाश में आया है। यहां कालपी भैंसवाही की 90 वर्षीय बुध्दो बाई गौंड एवं इनकी दो पुत्री रनिया बाई व सुमंत्री बाई गौंड़ के द्वारा कलेक्टर को शिकायत करते हुए बताया गया कि दिनांक 14.09.2024 को मिहीलाल गौंड़ की मृत्यु हो गई है जिससे अब मृतक की भूमि खसरा नं.182 रकबा 0.2100, खसरा नं.155 रकबा 1.1800, खसरा नं. 357 रकबा 0.0900, खसरा नं. 447 रकबा 0.5000 हेक्टेयर के हकदार पत्नि बुध्दो बाई एवं इनकी दो पुत्री हैं। बताया गया कि, सहकारी बैंक में मृतक का 63 हजार रूपये कर्ज था जिसे अदा करने की बात नगरार पौंडी बीजाडांडी निवासी रिटायर्ड टीचर मयूर सिंह गोठरिया द्वारा कही गई थी। इसके एवज में मृतक के दामाद मंगल सिंह, मयूर सिंह गोठरिया के घर काम करता था। इसी दौरान दिनांक 24.10.2024 को रिटायर्ड टीचर ने फौती कटवाने एवं कर्ज अदा करने के नाम पर उपरोक्त लोगों को निवास बुलाया और उक्त खसरे की भूमि को 03 लाख 25 हजार रूपये में अपने पुत्र कुलदीप गोठरिया आयु 34 वर्ष एवं अपनी दूसरी पत्नि सविता गोठरिया आयु 29 वर्ष के नाम विक्रयनामा की रजिस्ट्री करा ली गई है। रजिस्ट्री पत्र के अनुसार पत्नि सविता (29 वर्षीय) को पुत्री बताकर रजिस्ट्री करायी गई है। तीनों विक्रेता एवं एक गवाह मंगल सिंह निरक्षर एवं अनपढ़ हैं। अब ये अपने आप को ढगा हुआ महसूस करते हुए अनेक जिम्मेदारों से शिकायत कर रहे हैं। मामले का खुलासा तहसील न्यायालय निवास में उक्त भूमि के प्रमाणीकरण के दौरान हुआ। मिली जानकारी के अनुसार क्रेता एवं विक्रेता दोनों पक्ष आदिवासी समाज के हैं और क्रेता पक्ष ने इसाई धर्म अपना लिया है। शिकायत पत्र में उक्त रजिस्ट्री को निरस्त करने एवं दोषियों के विरूध्द कार्यवाही करने की मॉग की गई है। अब देखने वाली बात होगी कि इन निरक्षर महिलाओं को कौन और कैंसे न्याय दिलाता है, फिलहाल तो रजिस्ट्री हो चुकी है, आरोप कितना सहीं व गलत है ये तो जॉच के बाद ही पता चलेगा, अब पीड़ित लोगों को ग्राम के मुकद्दम सुरेश मरावी साथ दे रहे हैं।

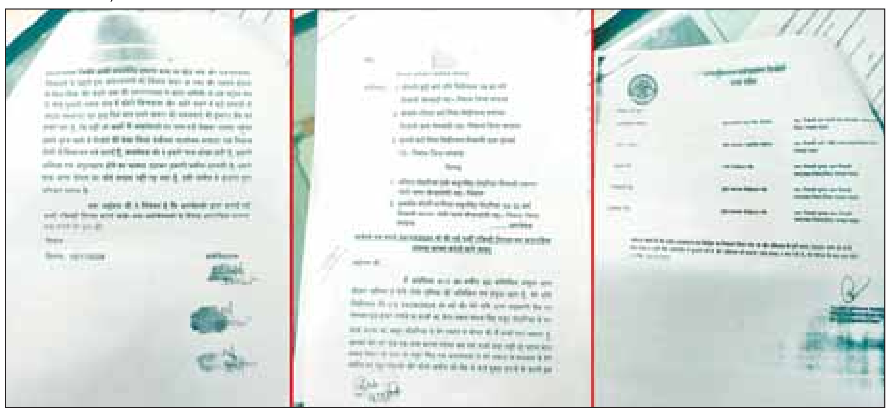

### क्यों और कहां हुई अनदेखी

आज के इस डिजीटल युग में भूमि की रजिस्ट्री को भी पूर्णरूप से पारदर्शी एवं इस योग्य बनाने की व्यवस्था की गई है ताकि फर्जीवाड़े की कहीं से भी कोई गुंजाईश न रहे बावजूद इसके यदि भूमि के क्रय-विक्रय में इस तरह की धोखाधड़ी हो रही है तो फिर व्यवस्था को गंभीरता से समझने की और ठीक करने की आवश्यकता है। इस तरह का मामला पहली बार नहीं आया बहुत से मामले ऐसे भी आये हैं कि भू-स्वामी को पता ही नहीं और उसकी भूमि किसी और को विक्रय कर दी गई या फिर एक ही भूमि को बार-बार अलग-अलग लोगों को विक्रय किया जाना भी प्रकाश में आया है आखिर गलती हो कहां रही है उसे ठीक किया जाना जरूरी है अन्यथा शासन की इस व्यवस्था से लोगों का विश्वास उठने में समय नहीं लगेगा।

## शहीदों की याद में मशाल जुलूस एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम

*** प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को दी जायेगी श्रद्धांजलि।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शहीद हुए मण्डला जिले के क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से क्रांतिवीर स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। स्वाधीनता अमृत महोत्सव समिति के तत्त्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में रविवार सायं रानी अवंति बाई स्मारक से बड़ चौराहे तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा। बड़ चौराहे में दीप प्रज्वलित कर सभी क्रांतिवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

कार्यक्रम के संयोजक विवेक अग्निहोत्री ने बताया कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मण्डला जिलेवासियों ने अद्भुत वीरता और कौशल का परिचय देते हुये अंग्रेजी सेना को मण्डला से भागने पर मजबूर कर दिया था। नगर के हृदयस्थल में स्थित बड़ चौराहे में लगा बरगद का वृक्ष 1857 के संग्राम का जीवंत प्रमाण है। संग्राम में शामिल बहुत से क्रांतिकारियों को अंग्रेजी सरकार ने इसी बरगद के वृक्ष में फांसी दी थी।

उन्होंने बताया कि इतिहासकारों का मानना है कि 24 नवंबर 1857 को बरगद के इस पेड़ पर एक साथ 21 क्रांतिकारियों को फांसी दी गई थी। दुःख की बात है कि उन क्रांतिकारियों के नाम तक इतिहास में दर्ज नहीं है। साथ ही समय के साथ क्रांतिकारियों के उस अद्भुत पराक्रम, त्याग और बलिदान को लगभग भुला दिया गया।

उन्होंने कहा कि 1857 के स्वाधीनता संग्राम में जिलेवासियों के अद्भुत पराक्रम की कहानी का पुनः स्मरण करने और उन अनेकों अनजान क्रांतिकारियों के त्याग-बलिदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के उद्देश्य से 24 नवंबर रविवार को एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम तय किया गया है। जिसके अंतर्गत 24 नवंबर सायं 5:30 बजे रानी अवंति बाई स्मारक (लालीपुर) से मशाल जुलूस निकाला जाएगा और बड़ चौराहे में दीप प्रज्वलित कर सभी क्रांतिवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने जिलेवासियों से क्रांतिवीर स्मृति दिवस कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

# शहर में नहीं पार्किंग, सड़क पर खड़े हो रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/बम्हनीबंजर

बम्हनी नगर में पार्किंग व्यवस्था नहीं जिसके कारण वाहन सड़क किनारे खड़े हो रहे हैं जिससे सड़क सकरी हो जाती है और हाथसे की संभावना बन जाती है लेकिन स्थानीय प्रशासन के द्वारा बाजार के लिए पार्किंग स्थल निर्धारित नहीं किया जा रहे जिससे समस्या बनी हुई है लेकिन स्थानीय प्रशासन इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है जानकारी के मुताबिक बम्हनी बंजर नगर में एक भी पार्किंग स्थल नहीं बनाए गए हैं बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले ग्राहक सड़क पर दुकान के सामने वाहन लगा देते हैं बाजार में सड़क पर दोनों और वहां खड़े हो रहे हैं अतिक्रमण के बाद सड़क पर वाहनों की वजह से रोड सकरी हो जाती है अवाजाही के लिए सड़क में जगह नहीं जिसके कारण हादसों से की संभावना बनी रहती है यातायात व्यवस्था लड़खड़ा गई है जिसके कारण आम जनता को परेशानी होती है।

### बाजार के दिन बस स्टैंड पर खड़े हो रहे वाहन

बाजार के दिन आसपास से ग्रामीण क्षेत्र के लोग खरीदारी के लिए आते हैं ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोग बाजार के दिन बस स्टैंड पर वाहन खड़े कर देते हैं जिससे बस स्टैंड में जगह नहीं रहती इस दौरान बस कर सड़क पर ही पार्क कर दी जाती है।

### व्यवस्था बनाने की मांग

बम्हनी बंजर में पार्किंग नहीं होने से हो रही परेशानी को देखते हुए स्थानीय नागरिकों के द्वारा पार्किंग व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है जिस शहर में अव्यवस्था की स्थिति निर्मित नहीं हो लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

## मन की बात कार्यक्रम में 945 नव निर्वाचित बूथ अध्यक्ष करेंगे पदभार ग्रहण

*** मण्डला में भारतीय जनता पार्टी के 945 बूथों का शत प्रतिशत हुआ डिजिटलाइजेशन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी के चल रहे संगठन पर्व के तहत मण्डला जिले के सभी 945 बूथों पर भारतीय जनता पार्टी की चुनाव संगठन प्रभारी श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी सहप्रभारी उमेश ठाकुर प्रफुल मिश्र के समन्वय से संगठनात्मक चुनाव संपन्न कराए गए,जिसमें मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी 173 शक्ति केंद्र संगठन सहयोगी की विशेष भूमिका रही। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि जिले के सभी 945 बूथों मैं निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण कर शत प्रतिशत डिजिटलाइजेशन किया गया। 24 नवंबर को प्रातः 11 बजे होने वाली प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के प्रसारण के दौरान शक्ति केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रम में सभी बूथ अध्यक्ष अपना पदभार ग्रहण करेंगे। मण्डला जिले में बूथों का गठन प्रदेश संगठन के नेतृत्व में समय सीमा में पूर्ण किया गया इस विषय को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा ने अपने एक्स पर ट्वीट करते हुए मण्डला जिले के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई प्रेषित की है। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी ने संगठन पर्व पर कार्य में जुटे सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया है।

शक्ति केंद्र पर आयोजित मन की बात कार्यक्रम में सांसद श्री कुलस्ते कैबिनेट मंत्री श्रीमती उइके, जिला अध्यक्ष द्विवेदी शामिल होंगे।

24 नवंबर को प्रातः 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 116वां प्रसारण के दौरान शक्ति केंद्र पर आयोजित कार्यक्रमों में जिले के सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि कार्यकर्ता गण शामिल होंगे, वहीं बबलिया मंडल में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, मण्डला नगर में कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, मण्डला ग्रामीण में जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी उपस्थित रहेंगे। शक्ति केंद्रों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए भाजपा जिला कार्यालय से सभी मंडलों को सूचना प्रेषित की गई है।

### प्रधानमंत्री के सामने सवाल-जबाव का अवसर मिलेगा युवाओं को

**मण्डला।** राष्ट्रीय युवा उत्सव 2025 विकसित भारत चैलेंज के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र मण्डला द्वारा सभी स्कूल, कॉलेज के युवाओं में 25 नवंबर से 05 दिसंबर तक यह माय भारत पोर्टल एप पर रजिस्ट्रेशन होगा जिसकी बेबसाइट www.mybharat.gov.in है ये विंडो ओपन रहेगी विंडो इसमें रजिस्ट्रेशन करने वाले युवाओं को भाग लेने के बाद जिनका सिलेक्शन होगा वह नई दिल्ली में भाग लेंगे इसमें प्रधानमंत्री के सामने अपने सवाल जवाब और संदेश प्रधानमंत्री के सामने रखने का मौका मिलेगा।

**महासम्मेलन** | **प्रदेश कार्यकारिणी एवं मण्डला-बालाघाट जिले के पदाधिकारी हुए शामिल।**

# मण्डला जिले में आयोजित हुआ वैश्य महासम्मेलन

*** संभागीय बैठक में हुई 16 बिंदुओं पर चर्चा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

वैश्य महासम्मेलन संगठन मंडला बालाघाट की संभागीय बैठक माँ लक्ष्मी जी की प्रतिमा में तिलक वंदन पुष्पहार चढ़ाकर कार्यक्रम की शुरुआत हुई तत्पश्चात मंचासीन पदाधिकारियों का स्वागत और उसके पश्चात उपस्थित सभी कोर ग्रुप सदस्य, पदाधिकारियों का तिलक वंदन एवं मोती माला पहनाकर स्वागत किया गया। 22 नवंबर की बैठक मंडला जिला मुख्यालय के होटल उत्सव में संपन्न हुई बैठक प्रदेश महामंत्री संदेश जैन एवं सत्यनारायण अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक के एजेंडा में 16 प्रमुख बिंदुओं पर संदेश जैन जी ने सबके समक्ष बात रखी उन्होंने कहां वर्ष के 12 के प्रभारी और संभागीय जिला तहसील बैठक आयोजित किया जाना का समय निर्धारित है हम सबको प्रदेश कार्यालय द्वारा तय निर्देशानुसार ही सब गतिविधियों को संचालित करना। हर जिले में आवश्यकता पड़ने पर एक कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति की जा सकती है मंडला और बालाघाट में भी किया जाना चाहिए इससे जिम्मेदारी का निर्वहन और बेहतर तरीके से आसान हो जाता है।

प्रदेश अध्यक्ष महिला इकाई ज्योति जैन ने अपने उद्बोधन में कहा हर संगठन में मातृशक्तियों का बड़ा महत्व होता है मंडला में मातृशक्तियों के द्वारा आयोजित की गई सभी आयोजन हेतु पूरी टीम को बधाई देना चाहती हूं महिला इकाई अध्यक्ष अनीता गोयल ने बढ़िया नेतृत्व किया किंतु, अब संख्याबल बढ़ाने की नितांत आवश्यकता है 31 दिसम्बर के पूर्व सदस्यता से आजीवन सदस्यता शुल्क पुराना ही लगेगा वरना 31 दिसम्बर के बाद बढ़ा हुआ आजीवन शुल्क देना होगा।

जिलाध्यक्ष नितिन राय और जिला प्रभारी सुनील अग्रवाल नींदला में संचालित विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए आगामी माह के आयोजन पर चर्चा की।

संभागीय बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तपेश असाटी एवं विशाल कोठारी, मंडला जिला प्रभारी-सुनील अग्रवाल और बालाघाट जिला अध्यक्ष- संदीप नेमा, जिला बालाघाट प्रभारी- सुभाष गुप्ता के समस्त सदस्य, पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित हुए मंडला और बालाघाट जिला के संभागीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल जी की अनुशंसा पर रंजीत कछवाहा को मंडला एवं बालाघाट जिला का संभागीय महामंत्री और अखिलेश सोनी को मंडला तहसील अध्यक्ष पद पर मनोनीत किए जाने पर शील्ड, आजीवन सदस्यता कार्ड, माल्यार्पण, तिलक वंदन कर सम्मानित किया गया साथ ही मंडला संभाग के मुख्य प्रेरणा स्त्रोत समर्पित अशोक गोयल जी का सम्मान प्रदेश और दोनों जिला के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया।

आज की बैठक में प्रदेश एवं संभागीय जिला पदाधिकारी जो शामिल हुए आदरणीय संदेश जैन,सत्यनारायण अग्रवाल, श्रीमति ज्योति जैन,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तपेशआशाठी एवं विशाल कोठारी, संभागीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, संभागीय महामंत्री रंजीत कछवाहा, मंडला जिलाध्यक्ष नितिन राय, पत्रकार आनंद सोनी, बालाघाट जिला अध्यक्ष संदीप नेमा, बालाघाट जिला प्रभारी सुभाष गुप्ता, मंडला जिला प्रभारी सुनील अग्रवाल, मंडला तहसील अध्यक्ष अखिलेश सोनी, आनंद सोनी, अशोक सोनी, इंद्रेश बब्बल खरया, विजय अग्रवाल, अशोक नाहटा, दिलीप जयसवाल, मनोज खंडेलवाल, विनोद गुप्ता, महिला इकाई अध्यक्ष अनीता गोयल, वर्षा चौरसिया, आयुषी चौरसिया, मोना जैन, संजू चौरसिया सदस्य उपस्थित रहे।

## एमडी ने लिया वन धन विकास केंद्र अंजनिया में बन रहे शयद का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/अंजनिया

आदिवासी बाहुल्य जिले में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री वन धन विकास केंद्रों की स्थापना की गई है, जिसके तहत मण्डला जिले के जिला वनोपज यूनियन सहकारी संघ पूर्व मण्डला के अंतर्गत अंजनिया, बिछिया, मेढ़ा, मवई, घुघरी, सलवाह, सिंगारपुर, मोहगांव, वन धन विकास केंद्रों की स्थापना वर्ष 2021 में की गई है। जहाँ इन केंद्रों से जुड़े समूहों के सदस्यों के द्वारा वनों से आर्गेनिक उत्पाद संग्रहण कर केंद्रों में प्रोसेस किये जाकर पेकिंग कर विक्रय किया जाता है।

उक्त क्रम में परिक्षेत्र जगमंडल के अंतर्गत वन धन विकास केंद्र अंजनिया का दिनाँक 22/11/2024 को श्री विभाष ठाकुर प्रबंध संचालक म.प्र. राज्य लघु वनोपज संघ भोपाल ने शहद प्रोसेसिंग यूनिट का अवलोकन किया इस दौरान इन्होंने वन धन केंद्र के सदस्यों के द्वारा बनाए जा रहे वन केंद्र पर शहद प्रोसेस का कार्य करते हुए देखा। तथा वन धन केंद्र प्रभारी बालसिंह ठाकुर ने वन धन केंद्र के सदस्यों के द्वारा बनाये जाने वाले उत्पाद अचार, हरि, मिर्च, लाल मिर्च, आंवला, आम, लहशुन, मिक्स नीबू के अचार बनाकर वन धन के माध्यम से विक्रय करने के बारे बारिकी से बतलाया।

वनीय शहद सदस्यों के द्वारा संग्रहण कर वन धन केंद्र अंजनिया में विक्रय किया जाता है जिसे कान्हा नेशनल पार्क के खटिया गेट में सोविनियर शॉप में विक्रय किया जाता है इसके अलावा समय समय पर प्रशासनिक आयोजन पर स्टाल लगाकर विक्रय किया जाता है।

## खबर संक्षेप

### राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर कब मिलेगी गड्ढों से निजात

सालीचौका। भले ही सरकार द्वारा हर वर्ष अपने बजट में नई सड़को का निर्माण कराने के लिये अरबों रूपया खर्च करने की बात कही जा रही है। मगर जिस प्रकार से पुरानी सड़को की स्थिति हो रही है उस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस प्रकार से बन चुका है कि इन सड़को पर वाहन चालकों को सड़क खोजना मुश्किल होने लगा है? इस बात की सच्चाई इस समय राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जबलपुर से भोपाल की ओर जाने वाले गाडरवारा पिपरिया के बीच देखने मिल रही है, जहां पर इस मार्ग पर गड्ढो की भरमार होने के कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम पनागर के पास स्थित नाग मंदिर के समीप सड़क पर निकला हुआ गड्ढा अब वाहन चालकों के लिये जान लेवा साबित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि यह गड्ढा दिनों दिन अपना रूप बढ़ाते हुये दिखाई दे रहा है जिसके चलते वाहन चालकों का निकलना मुश्किल हो रहा है। बताया जाता है कि अब इस मार्ग से निकलने वाले वाहनों से शासन प्रशासन द्वारा टोल टेक्स के रूप में राशि बसूलने की भी तैयारी कर डाली है जिसके चलते टेल टेक्स बसूलने के लिये तैयार निजी कंपनी द्वारा सड़क सुधार के नाम पर लीपा पोती करते हुये गड्ढो को भरने के नाम पर कुछ जगहों पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये पैसा बसूलने के नाम पर तैयार होकर बैठ चुकी है। मगर वाहन चालकों के लिये गड्ढो से कोई राहत दिखाई नही दे रही है।

### मंडी परिसर बना गिट्टी व्यापारियों की दुकानदारी का अड्डा, नियम विरूद्ध खड़े किये जा रहे ट्रक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां नगर की जवाहर कृषि मंडी का निर्माण किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है जिसमें अपना अनाज बेचने के लिए आने वाले किसानों को अपने वाहन खड़े करने के साथ साथ अन्य सुविधाएं मिल सकें। मगर इस समय देखा जा रहा है कि मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत के चलते जहां गिट्टी का व्यापार करने वालों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करते हुए यहां से गिट्टी की दुकानदारी की जा रही है, वहीं दूसरी अनेक वाहन मालिकों द्वारा मंडी परिसर में अपने वाहन खड़े करते हुए मंडी परिसर को पार्किंग स्थल बना डाला है? इस प्रकार से मंडी परिसर को गिट्टी का कारोबार करने वालों द्वारा जिस प्रकार से उपयोग किया जा रहा है वही समझ से परे जान पड़ रहा है? इस बात का आज तक पता नहीं चला है कि आखिर में मंडी परिसर में गिट्टी के व्यापारियों द्वारा किसकी अनुमति से यहां पर गिट्टी रखते हुए अपना व्यापार किया जा रहा है? मगर इस प्रकार से मंडी परिसर का उपयोग अन्य दूसरे कार्यों में करना निश्चित तौर से जहां मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत की ओर संकेत देते हुए जान पड़ रहा है? वहीं दूसरी ओर इस प्रकार से अन्य लोगों द्वारा मंडी परिसर का दुरूपयोग किये जाने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जबकि गौर किया जावे तो मंडी में किसानों की सुविधा के लिए कई टीन शैड एवं चौड़ी सड़कों एवं प्लेटफार्म का निर्माण किया गया है। मगर नगर की मंडी में अक्सर देखने को मिल रहा है कि रात्रिकालीन समय में सैकड़ों की संख्या में निजी ट्रक एवं अन्य वाहन वहां पर पार्किंग होते है, जिसे देखकर ऐसा महसूस होता है जैसे जवाहर कृषि उपज मंडी परिसर में वाहन रखने के लिए पार्किंग बनी हो? इसी के साथ मंडी के पीछे वाले क्षेत्र में गिट्टी सप्लाई की दुकानदारी चल रही है जो बिल्डिंग मटेरियल के सप्लायर मंडी के अंदर गिट्टी का स्टाक रखते है पूरी मंडी में अनेकों स्थानों पर गिट्टी का स्टाक देखा जा सकता है। बाबजूद इसके मंडी प्रशासन किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करता न ही वाहन मालिकों को वाहन खड़े करने की मना करता है जिससे मंडी प्रशासन की मिलीभगत का अंदेशा जान पड़ने लगा है? इतना ही नहीं अक्सर देखा जाता है कि जब किसानों की मंडी में भीड़ परिसर में होती है इसी दौरान यहां पर गिट्टी व्यापारियों के द्वारा ट्रेक्टरों से गिट्टी सप्लाई की जाती है जिसके कारण किसानों को परेशान होना पड़ता है. मगर इसके बाद भी मंडी प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने के कारण लगातार मंडी की शाख को बट्टा लगाते हुए देखा जा रहा है।

# लाखों की लागत से आमजन के उपयोग के लिये बनाया सरकारी भवन साबित हो रहा अनुपयोगी

गाडरवारा। सरकार द्वारा आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये जहां तहां भवनों के निर्माण हेतु मनमानी राशि प्रदान की जा रही है। मगर शासन की राशि से बनने वाले इन भवनों को लेकर स्थानीय स्तर के अधिकारियों द्वारा उपयुक्त जगह के चयन करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम यह देखने मिलता है कि लाखों की लागत से बनने वाले यह भवन जहां आमजन के लिये अनुपयोगी साबित होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर में भी देखने मिल रही है। क्योकि बीते हुये कुछ वर्षो में इस तरह सरकारी राशि या फिर एनटीपीसी प्लांट के सहयोग में जिस तरह भवनों का निर्माण हुआ है जिसके चलते नगर में बने हुये इन भवनों की आमजन गिनती तक नही कर पा रहे है तो दूसरी ओर इन भवनों के निर्माण को लेकर अधिकारियो द्वारा जिस जगह का चयन किया गया है उसके चलते यह भवन अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के बीटीआई स्कूल के बीते कुछ वर्ष पहले बने हुये अम्बेडकर मंगल भवन की देखने मिल रहा है। कहने के लिये तो इस भवन का निर्माण हुये कई वर्ष गुजर चुके है। मगर आज तक यह भवन आमजन के उपयोग में आते हुये नही देखा गया है। इसी का परिणाम है कि आमजन के लिये अनुपयोगी साबित होने वाले यह अम्बेडकर मंगल भवन खंडहर की ओर अग्रसर होने के साथ साथ यहां बने हुये आस पास के बंगलों में निवास करने वाले अधिकारियों के लिये अपने वाहन रखने के लिये वाहन स्टेन्ड बन चुका है। क्योंकि भवन परिसर में उग रही घास सहित अन्य प्रकार झाड़िया व फैल रही गंदगी अधिकारियों के स्वच्छता अभियान पर अंगुली उठाते हुये तो देखी जी हा रही है? वही दूसरी ओर लाखों की लागत से बने हुये इस भवन की बदहाली पर नजर डाली जावे तो इसके मुख्य द्वारा पर ताला लटका होने के साथ साथ अंदर मकड़ी के जालों के चलते गंदगी का आलम देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर सामने वाले मुख्य द्वार पर जिस तरह अनेक प्रकार के झाड़िया उगते हुये गंदगी का अम्बार लगा हुआ होने से सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण को ग्रहण लगाने से नही चूक रहा है। सही मायने में देखा जावे तो इस भवन के निर्माण को लेर जगह चयन में बरती गई कोताही का परिणाम है कि भवगन की उपयोगिता समाप्त हो चुकी है। क्योंकि सरकार द्वारा इस तरह मंगल भवनों का निर्माण इस सोच के चलते कराया जाता है कि जो लोग अपने बेटी बेटों की शादी समारोह हो या फिर अन्य कोई दूसरा कार्यक्रम निजी महंगे भवनों में संपन्न नही करा पाते है तो उनके लिये यह भवन उपयोगी साबित हो चुके और आमजन इनका उपयोग कर सके। मगर इस भवन को जिस जगह निर्माण हुआ है उससे से चंद कदम दूरी पर नगर का सबसे पुराना बीटीआई स्कूल स्थित है तो दूसरी ओर इस भवन के निर्माण के उपरांत यहां पर छात्राओं के लिये छात्रावास का निर्माण भी शासन द्वारा कराया गया है। वही दूसरी ओर इसी भवन से लगा हुआ रजिस्टार आफिस सहित कानून गौ आफिस के आलवा अन्य अधिकारियों के निवास के बंगले भी बने हुये है। इस तरह सरकारी स्कूल व अधिकारियों के निवास होने के चलते इस भवन में किसी भी प्रकार से शादी समारोह के आयोजन को संपन्न कराने की उम्मीदों पर पूर्ण रूप से विराम ही लगा हुआ जान पड़ रहा है? इतना ही नही जब स्थानीय स्तर पर नगर पालिका चुनावी प्रक्रिया होती है तो उसका संचालन भी नगर के बीटीआई स्कूल में होने के साथ साथ यही पर स्ट्रांग रूम की स्थापना किये जाने के कारण यह संपूर्ण क्षेत्र आमजन की पहुंच से दूर होने के कारण प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया जाता है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या इस स्थिति के बीच इस भवन आम जन द्वारा उपयोग कर पाना संभव हो सकता है? शायद यही कारण है कि इस भवनों को बने हुये कई वर्ष निकल जाने के बाद भी आज तक इस अम्बेडकर मंगल भवन में आज तक किसी भी प्रकार से कोई कार्यक्रम आयोजित होते हुये नही देखा गया है जिसके चलते निश्चित तौर से लाखों की लागत से बना हुआ यह सरकारी भवन आमजन के लिये जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रहा है? यह बात जरूर है कि जब भी नगर व क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया संपन्न होती है तो वाहर से आने वाले सुरक्षा फोर्स को रूकने के लिये जरूर इस भवन का अधिकारियों द्वारा उपयोग में लिया जाता है और इसके बाद यहां पर सदा ही ताला लटका हुआ देखे जाने के कारण यह भवन आमजन के उपयोग किये बगैर ही खड़हर में तब्दील होने की ओर अग्रसर होने के साथ साथ इस भवन के आसपास निवास करने वाले अधिकारियों के लिये वाहन स्टेन्ड के रूप में उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा यदि इस भवन के निर्माण को लेकर जगह का सही चयन करते हुये निर्माण कराया गया होता तो निश्चित तौर से नगरवासियों के लिये यह एक बड़ी सौगात साबित हो सकती थी और सरकार द्वारा आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये खर्च की गई राशि का भी सही उपयोग हो सकता था। मगर अधिकारियों से लेकर जिम्मेदार माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते सरकारी राशि का दुरूपयोग होने से नही चूक पाया है।

# पुलिस द्वारा नशामुक्ति अभियान के साथ मादक पदार्थों के कारोबारियों के खिलाफ की जा रही है कार्यवाही

गाडरवारा। नगर सहित क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का परिणाम है कि युवा पीढ़ी इसकी चपेट में आने के कारण बर्बाद होने से नही बच पा रही है। क्षेत्र में फैल चुके इस अवैध कारोबार की सच्चाई बीते हुये कुछ महिनों में उस समय देखने मिल चुकी है जब पुलिस द्वारा एक दिन के अंतर से मादक पदार्थ के कारोबार में लिप्त करने वाले आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की जाती थी। मगर बीते हुये 15 दिनों से देखा जा रहा है कि अभी तक पुलिस के हाथ मात्र दो आरोपी ही हाथ लग पाये है शेष कार्यवाही पुलिस द्वारा नशे का सेवन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये देखी जा रही है। इस तरह नशे के अवैध कारोबार को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमति मृगाखी डेका के निर्देशन चलाए जा रहे "ऑपरेशन प्रहार" के तहत गाडरवारा पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध कार्यवाही जारी जिसके चलते 70 हजार रूपये कीमत की मात्र 6 ग्राम स्मैक के आलवा 518 ग्राम गाँजा सहित दो आरोपियों को पकड़ा गया है तो दो लोगों को स्मैक पावडर का सेवन करते हुये धर दबाचने में पुलिस इसे बड़ी सफलता मान रही है। ज्ञात हो कि क्षेत्र में जुआ, सट्टा, अवैध मादक पदार्थ के व्यापार, अवैध शराब के कारोबार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के साथ गुण्डे एवं बदमाशों की धरपकड एवं अपराध तथा अपराधियों पर पूर्णतः नियंत्रण हेतु पुलिस द्वारा ऑपरेशन प्रहार" चलाते हुये धरपकड़ की जा रही है। इस तरह चलाये जा रहे "ऑपरेशन प्रहार" के तहत गाडरवारा पुलिस की विभिन्न टीमों के द्वारा बीते हुये 22 एवं 23 नवंबर को आरोपीगण से पृथक-पृथक अवैध मादक पदार्थ 06 ग्राम स्मैक,518 ग्राम गाँजा बरामद करने एवं स्मैक पीते 02 अन्य स्मैकचियों को गिरफ्त में लिया गया। इस संबंध में पुलिस द्वारा खुलासा करते हुये बताया कि बीते हुये 22 नबवंर को दोपहर पुलिस टीम द्वारा गोल्डन सिटी कॉलोनी से संदेह के आधार पर आरोपी रितिक पिता भूरा उर्फ पप्पू कुचबंदिया उम्र 20 वर्ष निवासी जगदीश वार्ड के कब्जे से 518 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गाँजा रखे हुये पाये जाने पर आरोपी के पास से गांजा जप्त करते हुये गिरप्तार किया गया। इसी प्रकार से जब पुलिस टीम द्वारा करेली तरफ से आ रहे संदेही को ग्राम कौड़िया में पकड़कर पूछताछ की गई तो आरोपी द्वारा अपना नाम रामगोपाल पिता रामसिंह लोधी उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम रातीकरार कला थाना करेली बताया गया। इस आरोपी के कब्जे से 6 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जप्त किया जिसकी कीमत अनुमानित तौर पर 60 बताई जा रही है। वही पुलिस की अलग अलग टीमों द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों से अवैध मादक पदार्थ का स्मैक का सेवन करने वाले 2 स्मैकचियों को पकड़ा गया। जिनके नाम क्रमशः मुकेश उर्फ चील पिता रमेश सोनी उम्र 24 वर्ष निवासी जगदीश वार्ड व रामजी पिता लेखराम लोधी उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम चिनकी उमरिया थाना कोतवाली नरसिंहपुर बताया जा रहा है। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने तलाशी के दौरान स्मैक पावडर पीने की सामग्री सहित जरूरी सामग्री भी जप्त की गई है। वही आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। इस कार्यवाही में मुख्य रूप से उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, नगर निरीक्षक के आलवा उप निरीक्षक अमित गोटिया,सहायक उप निरीक्षक राजेश शर्मा, राकेश दीक्षित,मोहन पवार,प्रधान आरक्षक भास्कर पटेल, वरिष्ठ आरक्षक राजेश बागरी,कमलेश, आरक्षक बालकिशन, सुजीत बागरी, दीपक राजपूत, शिवम पटेल, प्रदीप गुप्ता, रामसिंह, महिला आरक्षक नेहा पटैल शामिल थी। वही दूसरी ओर क्षेत्र में लगातार नशामुक्ति अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कामती एवं शासकीय हाईस्कूल ग्राम नांदनेर में जनचौपाल का आयोजन कर ग्रामजनों एवं छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने हेतु प्रेरित किया गया है। कार्यक्रम में थाना प्रभारी केवट के आलवा उप निरीक्षक मनीष लिल्हारे, समाज सेवक मुकेश बसेड़िया, जय गुरुदेव संस्थान, ओम शांति संस्थान, गायत्री परिवार के सदस्यों के द्वारा आमजन को मादक पदार्थों,शराब, सिगरेट, बीड़ी एवं तंबाकू से होने वाले शरो के दुष्परिणाम के संबंध में जानकारी दी गई साथ ही नशा मुक्त होने की शपथ दिलाई गई।

# प्रतिदिन रामायण के अध्ययन से मनुष्य को धर्म के रास्ते पर चलने की राह मिलती है- वीरेन्द्र शास्त्री

गाडरवारा

साई धामं मंदिर समिति कान्हरगांव द्वारा 7 दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के अयोध्या कांड कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के चतुर्थ दिवस कथा व्यास पंडित बीरेन्द्र शास्त्री महाराज ने बताया कि रामायण हमे निज धर्म पर चलना सिखाती है। जिस घर में प्रतिदिन रामायण पाठ यानि की रामायण ग्रंथ का अध्ययन होता हे वही धर्म के रास्ते पर चलने की राह अपने आप ही प्राप्त हो जाती है। जो व्यक्ति यदि रामायण पढ़ने की आदि है तो वह कभी भी धर्म के रास्ते पर चलने से नही भटक सकता है। क्योंकि श्रीराम कथा एक येसा ग्रंथ है। जो हमे जीवन जीना सिखाती है। केसा हम अपना व्यवहार रखे।।राम बनवास जाते-जाते भी पूरी अयोध्या नगरी को संदेश दे गये थे। कि जहां रहों जेसे भी रहों भगवान कि कृपा समझों। जेही बिधि राखे राम तही बिधि रहियें।।भगवान झोपड़ी में राखें चाहें महलों में, मगर हर परिस्थितियों में भगवान का सुमिरन नहीं छोडना चाहिएं। जो भगवान का नही है, उसे अपना दुस्मन समझों, उसकें साथ मत रहों। कथा ब्यास नें सत्य साई बाबा कें जन्मोत्सव पर अपने विचार व्यक्त करते हुये बताया कि केसे बाबा अपने सेवा कार्यों से भगवान कहलाएं।।आज साईं धाम मंदिर समिति कान्हरगांव यह सेवा के कार्य कर रही है। यह सदगुरु सत्य साई बाबा कि ही क्रपा है कि उन्होंने मानव सेवा ही माधव सेवा का मंत्र अपने भक्तों को दिया है। इस तरह कथा के आयोजन में प्रतिदिन भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है।

# जर्जर होते हुये चली जा रही पुलिया की ओर नहीं दिया जा रहा ध्यान, किसी दिन बड़ी घटना का कारण बन सकती है पुलिया

सांईखेड़ा।

अक्सर देखा जाता है कि जब किसी क्षेत्र में अच्छी सड़क की स्वीकृति प्रदान करते हुये सड़क निर्माण के लिये शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च किया जाता है तो उस क्षेत्र के लोग खुशी के मारे फूल नही समाते है। मगर शासन करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुये बनाई जाने वाली सड़को का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा जिस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता अपनाई जाती है उस समय किसी भी जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह सड़क निश्चित ही चंद दिनों में ही अपनी गुणवत्ता की कहानी खुद ही बताने से नही चूकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गाडरवारा से उदयपुरा होते हुये प्रदेश की राजधानी जाने वाले स्टैट हाईबे स्तर के मार्ग पर भी आसानी से देखने मिल रही है, क्योंकि बीते हुये कुछ वर्ष पहले जब ग्राम पिठहरा से उदयपुरा की ओर जाने वाले इस मार्ग पर झिकोली के पास नर्मदा नदी में पुल का निर्माण हो जाने के कारण इस मार्ग की उपयोगिता अपने आप ही बढ़ गई थी। इसी के चलते इस मार्ग को प्रदेश स्तर के मार्ग में शामिल करते हुये शासन द्वारा कुछ साल

पहले करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुये इस मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया था। मगर इस मार्ग का निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा सड़क निर्माण के दौरान वर्षो पुरानी पुलिया को पुनः निर्माण करने की जगह उसी पुलिया के ऊपर से सड़क का निर्माण करने में कोई कसर छोड़ी गई थी। इस सच्चाई को लेकर लगातार उस समय आवाज उठाये जाने के बाद भी संबंधित अधिकारियों से लेकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि गाडरवारा सांईखेड़ा के बीच ग्राम पिठहरा के समीप पूर्व में संचालित होने वाली हेदर शुगर मिल के पास वाली यह पुलिया लगातार जर्जर स्थिति में पहुंचते हुये दिखाई दे रहे है, इस संबंध में कुछ समाज सेवियों द्वारा बीते हुये दिसम्बर माह 18 में जिला कलेक्टर को एक आवेदन देते हुये इस ओर ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास भी किया गया था।

मगर इसके बाद भी लगातार खस्ता हाल स्थिति में पहुंचते हुये दिखाई दे रही इस पुलिया की ओर ध्यान नही दिया गया जिसके चलते निश्चित ही किसी दिन यह पुलिया क्षेत्र के एक बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूक पायेगी? क्योंकि यह मार्ग प्रदेश स्तर का होने के कारण यहां से प्रतिदिन सैकड़ो भारी वाहनों की धमाचौकड़ी मची रहना आम बात हो चुकी है।

# नगर की सड़कों पर पशुओं का टकराव जारी, वाहन चालकों की मुसीबतें बढ़ी

सांईखेड़ा। जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखा जा रहा है। इस सच्चाई को स्थानीय अखबारो द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई पहल न होना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई सामने आ रही है..? जबकि गौर किया जावे तो नगर के लोगों द्वारा लम्बे अरसे से हस प्रकार आवारा घुमने वाले पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये गुहार लगायी जाती रही है मगर इस ओर नपा प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम हे कि आवारा जानवर सड़को पर मस्ती के मूढ में आते हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक रहे है। जबकि लोगों की मांग है कि इन आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये, मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा नगर में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण मे रखने के संबंध में कोई पहन न करना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रहा है।

जिसके चलते वर्तमान में देखा जावे तो नगर के स्टैट स्तर के हाइवे मेन बाजार सहित जनपद कार्यालय व बच्चों के स्कूलों के आसपास दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है, इसके अलावा रात के समय में नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घेरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ने से नही चूक पा रहा है। नगर की मुख्य सड़क से लेकर कालोनियों की सड़को पर घूमने वाले इन पशुओं में आपसी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूकते है, जिसके चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है, क्योंकि इस प्रकार से मुख्य मार्गो पर मटर गस्ती के रूप में भ्रमण करने वाले पशुओं के कारण आये दिन स्कूली छात्र छात्राओं सहितत आम लोगों को घायल होते हुए देखा जाता है, इसी के चलते नपा प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि वह अवारा जानवरों को चिन्हित कराये तथा उन्हे उन बेरहम पशु पालकों के हवाले करे जो दूध देने वाली गाय के गले मे तो घंटी बॉध उसकी पूजा करते है पर जैसे ही उसने दूध देना बन्द किया निर्मम ढंग से उसे आवारा जानवरों की जमात मे शामिल कर देते है।

# प्रत्येक शुगर मिल के पास शासकीय तुलाई काटा लगाये जाने की उठ रही मांग

गाडरवारा।

लगातार परेशानियों से जूझ रहे किसानों की सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां उन्हें हर संभव मदद करने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर वह भरोसा मात्र मंचों तक ही सीमित रहने से नही चूक पाता है, जिसका परिणाम है कि क्षेत्र के गन्ना किसान हर वर्ष शुगर मिलों में शोषित होते हुये अपना गन्ना बेचने के लिये मजबूर होने से नही चूक पाता है।

क्योंकि शुगर मिलों द्वारा निर्धारित किये जाने वाले तोल काटों पर किसान के गन्ने की तुलाई किस तरह से होती है इस बात की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी हो? मगर इसे किसानों की मजबूरी कही जावे जिसके चलते वह चाहकर भी अपनी आवाज बुलंद नही कर पाते है और जो किसान अपनी आवाज बुलंद करने का प्रयास करता है उसकी आवाज को दवाने के लिये शुगर मिलों के मालिक अनेक प्रकार के प्रयास करने से नही चूकते है? इसी बात को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा शुगर मिलों के संचालन की शुरूआत होने के पहले ही शासन प्रशासन के साथ साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की जा रही है कि प्रत्येक शुगर मिलों के पास शासकीय तोल कांटे स्थापित किये जावे जिससे किसानों का शोषण होने से बच सके।

क्योंकि जब गन्ने का सीजन शुरू हो जाता है उस दौरान शुगर मिलों के संचालक पूर्ण मनमानी पर उतारू होकर किसानों के गन्ने की तुलाई में गफलतबाजी करने से नही चूकते है उस दौरान यदि किसी किसान द्वारा इस बात को लेकर आवाज उठाई जाती है। तो शुगर मिल मालिकों द्वारा उसकी आवाज दबाने के लिये उसका गन्ना लेने से इंकार कर दिया जाता है या फिर इतनी देरी की जाती है जिसके चलते किसानों को मजबूर होकर अपने गन्ना फसल को ठिकाने लगाने की सोच के चलते चुप्प रहने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा क्षेत्र में संचालित होने वाली सभी शुगर मिलों के पास शासकीय तौल कांटे स्थापित करने की मांग उठाई जा रही है।

# शक्कर नदी पुल पर जाम लगने की हुई शुरूआत वाहन चालकों के लिये गड्ढे बन रहे परेशानी का कारण

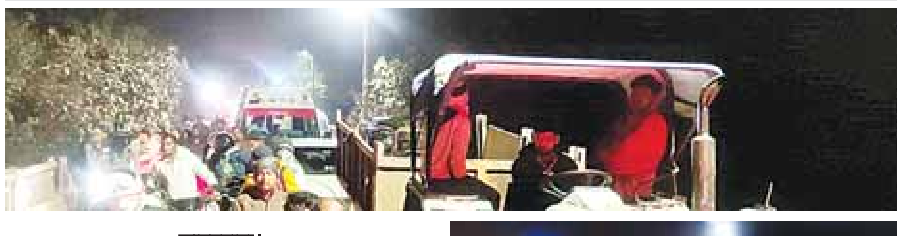

गाडरवारा।

*नगर का प्रमुख मार्ग यानि की गाडरवारा करेली मार्ग के शक्कर नदी पुल की बदहाल हो रही स्थिति को मीड़िया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी अधिकारियों द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम वाहन चालकों के साथ साथ आम लोगों के लिये भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि पुल के ऊपर निकल रहे गड्ढे के बीच से वाहन निकलना मुश्किल होने लगा है तो दूसरी ओर जब गन्ने का सीजन शुरू हो जाता है तो शुगर मिलों में गन्ना लेकर जाने वाली किसानों की ट्रालियों को इस पुल से निकलना बड़ा मुश्किल होने से नही चूकता है। क्योंकि गन्ने से भरी हुई ट्रालो को यदि ट्रेक्टर चालक तेज गति से निकलने का प्रयास करता है तो गड्ढे के बीच आने से टूटफूट की संभावना बनने से नही चूक पाती है। यही कारण है कि हर वर्ष गन्ना सीजन के दौरान इस पुल पर जाम लगने की स्थिति सदा ही बनी रहती है। इसकी शुरूआत होते हुये बीते हुये रविवार की शाम उस समय देखने मिली जब किसी बडे वाहन के पुल के बीचों बीच फस जाने के कारण पुल के ऊपर काफी समय तक जाम लगा रहा। इस दौरान किसी मरीज को लेकर जा रहे एम्बुलेंस के भी इस जाम में फंस जाने के कारण मरीज की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पाई। वही तो अच्छा हुआ कि जाम में फंसे हुये कुछ जागरूक लोगों द्वारा इस एम्बुलेंस को बड़ी मुश्किलों से निकल बाया गया। मगर अब इस तरह के हालत इस पुल पर आये दिन बनते हुये देखे जाना आम बात बनने से नही चूक पायेगी।*

## खबर संक्षेप

### सड़क दुर्घटना से मृत व्यक्ति के वारिसान को 15 हजार रूपये की सहायता स्वीकृत

**डिंडौरी।** कलेक्टर कार्यालय से सड़क दुर्घटना मोटर साइकिल से दुर्घटना में मृत ग्राम अमठेरा तहसील शहपुरा निवासी अमरजीत साहू पिता बेनीप्रसाद साहू के निकटतम वारिसान पत्नि श्रीमती कविता को राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधान के अनुसार पन्द्रह हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। अमरजीत साहू की 09 जुलाई 2024 को मोटर साइकिल से सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

### हम होंगे कामयाब पखवाड़ा के तहत जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिये जागरूकता अभियान

**हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी।** कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशन में जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के समन्वय से प्रारंभ होगा,जिसकी रूपरेखा 25 नवंबर से लेकर 10 दिसंबर तक होगी।कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य स्तरीय कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण से होगा पखवाड़े में बाल विवाह के प्रति जागरूकता, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा के विरुद्ध जन जागरूकता, साइबर क्राइम, कार्य स्थल पर लैंगिक शोषण अधिनियम के प्रति जागरूकता, पीसीपीएनडीटी एक्ट का प्रचार, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर का प्रचार के साथ-साथ महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा संबंधी ऑडिट एवं आवश्यकता अनुसार ब्लैक स्पॉट चिन्हित करते हुए पैनिक बटन लगाए जाने हेतु शासन से निर्देश दिए गए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर ने बताया कि पखवाड़े के दौरान जागरूकता के माध्यम से जिले के समस्त क्षेत्र में जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के प्रति जागरूकता रथ के माध्यम से प्रचार किया जाएगा। इसके अलावा जिले की महिला स्व सहायता समूह को वित्तीय साक्षरता के साथ-साथ डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। अभियान के दौरान जेंडर संवेदनशीलता और जेंडर आधारित मुद्दों पर जागरुकता बढ़ाने के लिये समुदाय, विशेषकर पुरुषों, युवाओं के साथ ही किशोरों, बच्चों के पालकों, महिलाओं को जोड़ा जाएगा। इस कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के साथ ही विभिन्न विभागों तथा नगरीय विकास, पंचायत राज व ग्रामीण विकास, पर्यटन, स्वास्थ्य, धर्मस्व, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकि शिक्षा, गृह (पुलिस), आबकारी, परिवहन, श्रम, सामाजिक न्याय, अनुसुचित जाति कल्याण, खेल एवं युवा कल्याण, विधि विधायी कार्य विभागों की सहभागिता के साथ ही सहयोगी संस्थाओं की भी सहभागिता रहेगी। अभियान के दौरान घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013, पॉक्सो (यौन अपराध से बच्चों का निवारण) अधिनियम 2012, भारतीय न्याय संहिता 2023 और पीड़ित मुआवजे के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत विशेष अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न आयोजन किये जायेंगे।

### जैतहरी में अवैध क्लीनिक बंद होने के बाद अब कोतमा में खुली दुकान

**अनूपपुर।** जैतहरी क्षेत्र में अवैध क्लीनिक सील होने के बाद अब विश्वास क्लीनिक संचालक ने अपना बोरी बिस्तर बांधकर कोतमा इस्लाम गंज में अवैध क्लीनिक खोल लिया है। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा अनूपपुर के जिलाध्यक्ष रविंद्र राठौर ने कहा कि विश्वास क्लिनिक जो जैतहरी में अवैध रूप से संचालित थी।

## निजी विद्यालयों के विरुद्ध कार्यवाई ठंडे बस्ते में, अभिभावकों में निराशा

# दो-दो लाख का जुर्माना हुआ था अधिरोपित

### सात शालाओं ने ही जमा कराया जुर्माना

जिले में लगभग एक सैकड़ा से अधिक निजी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय और 25 उच्च एवं उच्चतर विद्यालय संचालित हैं, निजी विद्यालय के संचालक लम्बे समय से नियमों को दरकिनार कर शिक्षा के नाम पर अभिभावकों से मोटी रकम फीस के तौर पर वसूल रहे थे।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी

इतना ही नहीं स्कूल संचालको द्वारा पाठ्य पुस्तक, गणवेश का विक्रय स्कूल से ही किए जाने के मामले भी सामने आ रहें थे, शिक्षा को बाजार बना अधिक से अधिक कमाई करने की मंशा से कम वेतन में अप्रशिक्षत शिक्षकों से निजी विद्यालयों में शिक्षक के पद पर कार्य कराया जा रहा हैं। मध्यप्रदेश निजी विद्यालय नियम (फीस तथा संबंधित विषयो का विनियम 2020) के तहत संचालित निजी स्कूल संचालको के मनमानी फीस वसूली सहित स्कूल प्रबंधन द्वारा बरती जा रही लापरवाही पर अंकुश लगाने जिला प्रशासन द्वारा समस्त विद्यालयों की जांच करने के आदेश जारी किए गए थे लेकिन समय गुजरने के साथ ही जिला प्रशासन ने जाँच और कार्रवाई की प्रक्रिया को ठंडे बस्ते में डाल दिया हैं, वही अभिभावकों को प्रशासन से काफी उम्मीदें थी की अवैध तरीके से वसूले गए फीस उन्हें वापस मिलेगी लेकिन कार्रवाई थमने से अब अभिभावक निराश हैं।

### 11 निजी विद्यालयों के विरुद्ध 2-2 लाख रु का जुर्माना अधिरोपित-

जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में गठित जाँच समिति द्वारा जिले की 14 निजी विद्यालयों की जांच निर्धारित पैमाने के आधार पर किया गया हैं, उन प्रकरणों पर कार्रवाई हेतु एसडीएम डिंडौरी द्वारा कलेक्टर को फाइल भेजी गई थी जिनमे से 11 स्कूलो के विरुद्ध तत्कालीन कलेक्टर विकास मिश्रा ने 2- 2 लाख रूपये का जुर्माना अधिरोपित करते हुए अवैध तरीके से वसूले गई फीस वापस करने के आदेश पारित किए थे लेकिन अब तक 07 विद्यालय जे डी ई एस जूनवानी, माँ नर्मदा ज्ञान ज्योति डिंडौरी, सेंट ऐंजिल पब्लिक स्कूल डिंडौरी, मदर टेरेसा स्कूल डिंडोरी, एमएसजी समनापुर, सरस्वती ज्ञान मंदिर बिछिया, मदर टेरेसा शहपुरा के द्वारा संचालको ने अधिरोपित जुर्माना अदा किया हैं, वही जे डी ई एस दुल्लोपुर, राजुशा हायर सेकेण्डरी स्कूल, किंडर गार्डन पब्लिक स्कूल, जे आर आर कान्वेंट बिछिया द्वारा जुर्माना कि राशि अदा नहीं कि गईं हैं।

### जाँच में मिली थी बड़ी खामियाँ-

जाँच समिति द्वारा आरटीई, पाठय पुस्तक, गणवेश, शिक्षकों कि जानकारी, भवन, फीस एवं खाता, फीस वृद्धि, सहित डीपीआई पोर्टल में किए गए एंट्री को लेकर गहनता से जाँच किया जा रहा था, जिसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़िया उजागर हुई थी, जिला प्रशासन द्वारा जाँच में गड़बड़िया उजागर होने तथा कलेक्टर के समक्ष फाइल प्रस्तुत किए जाने के बावजूद कुछ विद्यालयों पर कार्रवाई नहीं किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ हैं।

# जिला पंचायत सदस्य की उपस्थिति में बना कच्चा अस्थाई बांध

**अमरपुर।** मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अमरपुर के मार्गदर्शन एवं नवांकुर संस्था जीव दया एवं पर्यावरण संरक्षण समिति तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति निघोरी द्वारा ग्राम निघोरी में ब्लॉक स्तरीय जल संरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत उमरा उमराह नाला में मिट्टी और पत्थर से कच्चा अस्थाई बांध का निर्माण किया गया। जिसमें अमरपुर क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य प्रीतम मरावी, सांसद प्रतिनिधि धोबी सिंह परस्ते, ग्राम पंचायत सरपंच शोभाराम धुर्वे, जय सिंह मरावी पैसा एक्ट अध्यक्ष, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक केहर सिंह मरावी एवं वरिष्ठ समाजसेवी मानिक लाल यादव एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अमर लाल धुर्वे की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुई। तत्पश्चात चैपाल के माध्यम से प्रीतम मरावी, मानिक लाल यादव, धोबी सिंह परस्ते एवं विकासखंड समन्वयक अमरलाल धुर्वे द्वारा उपस्थित लोगों को जल के महत्व, पर्यावरण और प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर प्रकाश डालते हुए शासन पर निर्भर न होकर प्रत्येक गांव के लोग समय के रहते स्वयं से ग्रामों के छोटे-छोटे नदी नालों को बांधकर जल रोकने हेतु अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी को समरसता भोज के अंतर्गत भोजन वितरण किया गया। इस पूरे कार्यक्रम में प्रस्फुटन समितियों के कार्यकर्ता दलवीर धुर्वे, सुशील धुर्वे, रघुवीर सैयाम, दीप कुमार परस्ते, नवांकुर संस्थाओं से राकेश कुमार मरावी, अरविंद यादव, श्याम सिंह धुर्वे, गणेश केवर्थ, सीएमसीएलडीपी मेंटर्स राधे श्याम बनवासी, तिलक सिंह सैयाम, अशोक यादव, मनोज कुमार तथा बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू छात्र एवं ग्राम वासियों सहित लगभग 100 की संख्या में लोगों ने श्रमदान किए। उपरोक्त कार्यक्रम में छात्र दलबीर सिंह धुर्वे एवं सुशील कुमार धुर्वे, रघुवीर सैयाम, राम भगत धुर्वे, साजन मार्को, नीरज, ओम प्रकाश पट्टा, लीलावती मरावी तथा ग्राम वासियों का विशेष सहयोग रहा।

# पश्चिम करंजिया के जंगलों में बाघ का मूवमेंट, ग्रामीणों में दहशत

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी

ट्रेप कैमरों की मदद से वन अमले ने यह मालूम करने में सफलता प्राप्त कर ली है कि जिले के दो वन परिक्षेत्र में बाघिन मूवमेंट कर रही है।कैमरों के सहारे अनुमान लगाया गया है कि बाघिन की उम्र चार साल के लगभग है।गौरतलब है कि बाघिन ने शुक्रवार की अलसुबह पश्चिम करंजिया रेंज अंतर्गत वन ग्राम ठाढ़पथरा गांव में दाखिल होकर बस्ती के अंदर रोड में बैठी बछिया का शिकार किया था और मवेशी के शव को घसीट के गांव के बाहर खाया और उजाला होते ही जंगल की तरफ भाग गई थी।जहां वन विभाग ने ट्रेप कैमरे स्थापित किये थे।दुबारा शिकार को खाने पहुंची बाघिन का व्यवहार इन ट्रेप कैमरों में कैद हो गया और वन विभाग ने जानकारी हासिल की है।इसके साथ ही बाघिन की फोटो और वीडियो जांच हेतु उच्च लेवल पर भेजा गया है।मवेशी मालिक संभर पिता गुलौआ गौंड निवासी ठाढ़पथरा ने बतलाया कि शुक्रवार की सुबह पांच बजे उसकी बछिया घर के सामने बैठी थी।इसी दौरान बाघ ने बछिया पर हमला कर दिया और घसीट के खेत की तरफ ले गया।सूचना के बाद मौके पर पहुंची फारेस्ट टीम ने नुकसानी पंचनामा तैयार करके मुआवजा कार्रवाई शुरू कर दी है।इसके पूर्व गुरुवार की शाम बाघिन को सिलपीडी के जंगल मे देखा गया था।जिससे कयास लगाये गये हैं कि बाघ ने सिलपीडी होते ही ठाढ़पथरा की तरफ रुख किया है।वहीं पिछले एक पखबाड़े से चार जंगली हाथियों का मूवमेंट पश्चिम करंजिया के वन क्षेत्र में लगातार जारी है।गुरुवार तक चकरार और ठाढ़पथरा के बाद शुक्रवार को हाथियों के झुंड ने पंडरीपानी के जंगलों की तरफ पलायन कर लिया है।इसके पूर्व जंगली हाथियों ने चकरार गांव में सुंगकू पिता रंगसू, भंवर पिता ज्ञान सिंह गौंड, पंचम पिता नन्हू,प्रमिला पिता नारायण,सुखदेन पिता धनेश्वर और भज्जू पिता जगत गौंड की धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है।जिसकी मुआवजा कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि मंगलवार को कान्हा रिजर्व फारेस्ट के मुरता बीट अंतर्गत हाफिन नदी पार करके बाघ दक्षिण समनापुर रेंज के बंजरा के जंगल मे पहुंचा था।इसके बाद बाघ ने बुधवार की सुबह ग्राम रंजरा में बछड़े और सुअर का शिकार किया था।गुरुवार की सुबह तक बाघ की मौजूदगी वन ग्राम रंजरा के आसपास ही बनी हुई थी।लेकिन शुक्रवार को वन ग्राम ठाढ़पथरा में बाघ दिखने से साफ हो गया कि बाघ रंजरा के जंगलों से पलायन कर चुका है। इस बीच बाघ की सुरक्षा और क्षेत्र में सतर्कता बरतने के मद्देनजर आठ आठ घण्टों की पाली में वन अमला और वन रक्षा समिति सदस्य निगरानी कर रहे हैं।इस बाबद वन अधिकारी भी संजीदगी बरतते हुये वन जीवों के मूवमेंट की जानकारी ले रहे हैं।

### ट्रेप कैमरों की लोकेशन बदली

बाघिन के रंजरा से पलायन करके 15 किलोमीटर दूर ठाढ़पथरा पहुंचने के चलते अब ट्रेप कैमरों को ठाढ़ पथरा में शिकार वाली लोकेशन पर स्थापित किया गया है।इन कैमरों की मदद से बाघिन की पुख्ता उम्र, सेहत,आदतें और अन्य शाररिक जानकारी जुटाने में मदद मिलेगी। फिलहाल पग मार्क के सहारे ही वन विभाग बाघ की संभावित जानकारी जुटा रहा है।

### छोटे जानवरों को ही बना रहा निशाना

पिछले चार दिनों में बाघ ने बछड़े,बछिया और सुअर का शिकार ही किया है।जिसके बाद साफ हो गया है कि बाघिन छोटे जानवरों को ही निशाना बना रहा है।इस बात से जानकर अनुमान लगा रहे हैं कि बाघ की शारीरिक स्थिति फिलहाल बड़े जानवरों को शिकार बनाने की नहीं है।

# भगवान बिरसा मुंडा जनजाति गौरव पखवाड़ा समारोह का अयोजन

शहपुरा

नवोदय विद्यालय समिति से प्राप्त परिपत्र की परिपालनार्थ पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय डिंडोरी मध्य प्रदेश में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस और पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक 15ध11ध24 से 22 नवंबर 2024 के बीच प्रभारी प्राचार्य श्री एन के आर्य के मार्गदर्शन और निर्देशन में किया गया। सर्वप्रथम दिनांक 15 नवंबर 2024 को भगवान बिरसा मुंडा की छाया चित्र पर प्रभारी प्राचार्य एन के आर्य, के एल महोबिया, कविता देवी, योगेश्वर वर्मा ने माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर विद्यालय के बहुउद्देशीय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में छात्रा कुमारी पूजा नागेश कक्षा बारहवीं और अर्पिता प्रजापति कक्षा दसवीं की छात्रा ने बिरसा मुंडा के जीवन पर वृहद प्रकाश डाला । इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी एवं जनजाति क्षेत्र से जुड़े हुए तमाम तथ्यों को संरक्षित एवं सुरक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इसी तारतम्य में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने श्री योगेश्वर वर्मा के संरक्षण में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रानी अवंती बाई के समाधि स्थल , पुरातत्विक संग्रहालय , जनजातीय संस्कृति, नृत्य, गोंड भित्ति चित्र , जनजातियों के जीवन से जुड़े हुए विभिन्न तथ्यों की जानकारी प्राप्त करने के साथ स्वच्छता अभियान, जनजातीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिससे जनजाति जीवन से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर क्षेत्रवासी अविभूत हुए। विरसा मुंडा जनजाति गौरव का पखवाड़ा कार्यक्रम संचालन करते हुए विद्यालय की शिक्षक के एल महोबिया ने भगवान बिरसा मुंडा के अल्प अवधि चैबीस वर्षीय जीवन वृत्त और कार्यो पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बिरसा मुंडा ने जल जंगल जमीन एवं जनजाति अधिकारो के लिए अंग्रेजों और जमीदारों से संघर्ष करते हुए नारा दिया ‵ महारानी का राज खत्म हो गया है अब बिरसा राज्य शुरू हो गया है। ‵ बिरसा मुंडा ने आदिवासी जनजातीय समुदाय में इसाई धर्म के बढ़ते प्रभाव पर रोक लगाने और जल जंगल जमीन के लिए लड़ते हुए नागपुर के जनजाति उत्थान के लिए जीवन का बलिदान कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन का आभार के एल महोबिया द्वारा व्यक्त किया गया। भगवान बिरसा मुंडा जनजाति गौरव पखवाड़ा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं संचिता बनर्जी, अल्का विश्वकर्मा, सुनीता गुप्ता, धर्मेन्द्र सोनकर, केशव सिंह, मधुवंत राव धुर्वे, कविता देवी, रामानंद, राहुल कुमार, रमेश बिश्नोई , अजीत कुमार , राहुल कुमार , शालिनी त्रिपाठी, दीक्षा तिवारी ज्योत्सना गुप्ता , नरेंद्र दुबे के साथ समस्त छात्र छात्रों की उपस्थिति गौरवपूर्ण रही।

### जेण्डर कैम्पेन नई चेतना 3.0 के शुभारंभ कार्यक्रम में समनापुर की पुष्पलता मरकाम लेंगी भाग

# कार्यक्रम में भाग लेने दिल्ली के लिए हुई रवाना

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

25 नवंबर 2024 को जेण्डर कैम्पेन नई चेतना 3.0 के शुभारंभ कार्यक्रम रंगभवन ऑडिटोरियम, ऑल इंडिया रेडियो, संसद मार्ग, पंडित पंत मार्ग एरिया, संसद मार्ग एरिया, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

उक्त कार्यक्रम में डिंडोरी जिले के समनापुर विकासखंड की समता समन्वयक सुश्री पुष्पलता मरकाम एवं समता सखी सुश्री शशिकला मरावी भाग लेंगी।मध्य प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत डिण्डोरी जिले के सभी सात विकासखंडो में लोक अधिकार केन्द्रों की स्थापना की गई है, जिनमें 7 समता समन्वयक एवं 14 समता सखी कार्यरत है। समता समन्वयक व समता सखी का मुख्य कार्य योजनाओं से वंचित गरीब परिवारों को मुख्यधारा से जोड़कर योजनाओं की पहुँच सुलभ बनाना है।लोक अधिकार केन्द्र, समनापुर की समता समन्वयक सुश्री पुष्पलता मरकाम एवं समता सखी सुश्री शशिकला मरावी 25 एवं 26 नवबर 2024 को जेंडर कॅम्पेन नई चेतना 3.0 के शुभारंभ कार्यक्रम में रंगभवन ऑडीटोरियम ऑल इंडिया रेडियो संसद मार्ग एरिया नई दिल्ली में प्रतिभाग कर जेंडर अंतर्गत किए गए कार्य पर प्रस्तुति देंगी।समता समन्वयक सुश्री पुष्पलता मरकाम बताती है , कि घरेलू हिंसा से महिलाओं का जीवन पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। ऐसी पीड़ित महिलाओं कों समाज में सम्मान दिलाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लोक अधिकार केंद्र संचालित किये जा रहे है। सुश्री पुष्पलता बताती है, कि महिला अपराध से पीड़ित महिलाएं खुलकर अपने अधिकारों से वंचित रह जाती है, महिलाएं अपने अधिकारों के बारे में खुलकर बात भी नहीं कर पाती, ऐसी महिलाओं को हम लोक अधिकार केंद्र के माध्यम से सम्बंधित विभाग से सम्पर्क कर शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाते है। सुश्री पुष्पलता 2020 से लेंगिक भेदभाव के क्षेत्र में काम कर रही है,सुश्री पुष्पलता बताती है कि वे खुद भी घरेलु हिंसा से पीड़ित रही है, उन्हें भोपाल में 7 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।जिसके बाद उन्होंने खुद को सशक्त कर अपने अधिकारों को जाना, साथ ही आजीविका मिशन के साथ जुड़ कर आर्थिक रूप से सशक्त हुई। आज वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है और अपने साथ की दीदीयों को भी सशक्त कर रही है।समाज में सम्मान से जीना प्रत्येक महिला का अधिकार है।सुश्री पुष्पलता ने बताया कि उनके द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से महिलाओं को उनके अधिकार दिलवाये गए है। केंद्र के माध्यम पॉक्सो एक्ट, घरेलु हिंसा अधिनियम सहित अन्य कानून के बारे में जागरूक कर रहे है। लोक अधिकार केंद्र में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को पीड़ति दीदीयों के साथ संवाद कार्यक्रम किया जाता है, जिसमें दीदीयाँ अपनी बात खुल कर करती है,यदि उनको कोई समस्या होती है तो सम्बंधित विभाग से सम्पर्क कर तत्काल निवारण किया जाता है। जिससे महिलाओं के जीवन में बदलाव आ रहा है, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने के प्रयास भी किये जा रहे है। सुश्री पुष्पलता अपने प्रयासों को जेण्डर कैम्पेन नई चेतना 3.0 के तहत नई दिल्ली में व्यक्त करेंगी। सुश्री पुष्पलता ने बताया कि जिले में लोक अधिकार केंद्र में आए कुल 1456 केस में से 1293 का सफलता पूर्वक निराकरण किया गया है और बाकि प्रकरण पर कार्य किया जा रहा है।वर्तमान में हमारे मध्य प्रदेश में 55 में से 50 जिले के 204 विकासखण्डों में 204 लोक अधिकार केन्द्र संचालित हैं। जिसके तहत मेरे जैसे 240 समता समन्वयक तथा 625 समता सखी कार्यरत हैं। हमारे लोक अधिकार केन्द्र विभिन्न विभाग द्वारा के साथ समन्वय कर घरेलू हिंसा से पीड़ति महिलाओं की सहायता संबंधी कार्य कर रही हैं। वर्तमान में इन लोक अधिकार केन्द्र के माध्यम से प्रदेश में कुल 4114 घरेलू हिंसा संबंधी प्रकरणों पर कार्यवाही कर निराकरण कराया गया है। इस वर्ष समस्त विकासखण्डों में लोक अधिकार केन्द्र प्रारंभ किया जाना है।

### पी एम श्री नवोदय विद्यालय डिंडौरी में परमाणु ज्योति के अंतर्गत हुआ कार्यक्रमों का सफल आयोजन

**शहपुरा।** डिंडौरी जिले का अग्रणी पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में परमाणु ज्योति फेस 4 के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परमाणु ज्योति कार्यक्रम, नवोदय विद्यालय समिति एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र का संयुक्त आयोजन है। भारत सरकार के अधीन परमाणु ऊर्जा विभाग के भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के तत्वाधान में वैज्ञानिक डॉ. आर. सी. दास, एवं डॉ. पूजा नेगी ने विद्यालय में संगोष्ठी एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी के दौरान परमाणु मित्रों ने विद्यार्थियों को आकर्षक उपहार देकर उनका उत्साह वर्धन किया। उनके द्वारा विद्यालय में विद्यार्थियों के अंदर परमाणु विज्ञान से जुड़े रोचक तथ्यों को प्रदर्शित किया गया एवं विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों के बारे में जानकारी दी। परमाणु मित्रों ने विद्यार्थियों की कक्षाओं में जाकर उनसे परिचर्चा की एवं परमाणु ऊर्जा, परमाणु संसाधनों के बारे में उन्हें अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एन. के. आर्य ने विद्यार्थियों को परमाणु विज्ञान में हो रहे अनुसंधान एवं नवीन परिवर्तनों से अवगत कराया एवं परमाणु मित्रों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान विभाग के शिक्षक श्रीमती अल्का विश्वकर्मा, मधुवंत राव धुर्वे, श्री आयुष लहरिया, केशव सिंह धुर्वे, सुश्री ज्योत्सना गुप्ता, नरेंद्र दुबे के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन धर्मेंद्र कुमार सोनकर के द्वारा किया गया। विद्यालय के अध्यापकगण श्रीमती संचिता बनर्जी, सुनीता गुप्ता, कोदू लाल महोबिया, कविता देवी, रामानंद, राहुल कुमार, रमेश विश्नोई, शालिनी, अजय कुमार, अजीत कुमार, अनुपमा सुंदरम, दीक्षा तिवारी, सुश्री पुष्पा पटेल, नूरुल हसन, इंजमाम उल हक, उमा मिश्रा, पुनीत द्विवेदी, राकेश केवट आदि स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान प्रदान किया।

# अव्यवस्थाओं का शिकार हो रहा नया बस स्टैंड

दुकानदारों द्वारा किया जा रहा परिसर में अतिक्रमण

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** सरकार द्वारा यात्रियों को बेहतर सुविधायें मुहैया कराये जाने को लेकर नये बस स्टेंड का निर्माण कराया गया जहां पर लोगों को सुविधाओं की जगह परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय के नये बस स्टैण्ड के नए भवन तथा प्लेटफार्म के निर्माण के बाद भी बस चालकों की मनमानी के कारण यात्रियों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को बस पकड़ने के लिए अच्छी खासी कसरत करनी पड़ रही है। स्थिति यह है, कि चालक बस स्टैण्ड परिसर के प्रवेश मार्ग पर ही बसें खड़ी कर सवारी भर रहे हैं। इससे वहां कई बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उधर, यात्रियों को गंतव्य के लिए बस खोजने में भटकना पड़ता है। इसके बावजूद प्रशासन की शिथिलता के चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मैकेनिकों व आटो चालकों की मनमानी

जिला मुख्यालय के बसटेंड पर अव्यवस्था का आलम यह है, कि बस स्टैण्ड के प्लेटफार्म, जहां यात्री बसें खड़ी होनी चाहिये वहां पर यहां पर जमें मैकेनिक द्वारा अपनी दुकान पर सुधरने के लिये आए आटो खडे किये जाते है। जिसको देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है, कि दुकान आबंटन के समय इस बात का ध्यान नहीं रखा गया है, कि यहां पर किन दुकानों को आंबटन किया जाये, बिना सोचे विचारे ही मैकेनिक दुकान आबंटित कर दी गई, बिना ये सोचे कि दुकान पर सुधरने आने वाले वाहन यहां की व्यवस्था को पलीता लगाने का काम करेगें।

### सैंकड़ों बसों का हो रहा संचालन

बस स्टैण्ड से हर रोज लगभग 47 बसों का संचालन होता है। काफी संख्या में बस स्टेशन से होकर जबलपुर, भोपाल, इंदौर, नागपुर, छिंदवाड़ा और सिवनी इत्यादि शहरों के लिए गुजरती हैं। बस स्टैण्ड परिसर में नये भवन को सर्वसुविधायुक्त बनाया गया है, इसके साथ ही बसों के व्यवस्थित संचालन के लिये प्लेटफार्म का भी निर्माण किया गया है। इसके बाद भी परिसर में बने प्लेटफार्म से बसों का संचालन प्रारंभ नहीं हो पाया है। इसके चलते अधिकांश बस चालक मुख्य मार्ग पर ही बसों को लगा रहे हैं। जिसके चलते जहां यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, वही बस स्टैण्ड की व्यवस्थाएं भी चरमरा रही है।

### दुकानदारों का कब्जा, बढ़ रही अव्यवस्था

बस स्टैण्ड में निर्मित दुकानदारों द्वारा न के व ल दुकानों के बरामदें में कब्जा किया गया है, वही इससे बाहर निकलते हुए परिसर में भी कब्जा कर लिया

## बसों के स्थान पर खड़े हो रहे आटो

गया है। वही दूसरी ओर पान ठेले और फल विक्रेताओं के दुकानें सजी होती है और बीच की जगह पर बसें जम जाती है। जिसके चलते मुख्य मार्ग पूरी तरह से बंद हो जाता है। बस चालकों और दुकानदारों की मनमानी का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ता है। बावजूद इसके इस ओर आज तक जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नहीं दिया गया। जिसके चलते लगातार अतिक्रमणकारी यहां पर काबिज होते जा रहे है।

### नशेड़ियों का बनता जा रहा अड्डा

नवनिर्मित बस स्टैंड में जहां प्रदेश सरकार द्वारा सुव्यवस्थित बसों के संचालन और यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निर्माण कराया गया है, वही यात्री नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त प्रतीक्षालय से दूरी बनाते नजर आते है, जिसके पीछे कारण यहां पर नशेड़ियों का कब्जा होना है। प्रतीक्षालय में असामाजिक तत्व गांजा फूंकते देखे जा सकते है, वही दिन से ही शराब पीने वालों के लिये यह आरामदायक जगह बनी हुई है। शाम होते ही यात्री प्रतीक्षालय अघोषित अहाते के रूप में बदल जाता है। जिसके कारण बाहर से आने वाले यात्री भी भयभीत रहते है।

## खबर संक्षेप

### घर घर बनाये जा रहे वृद्धों के आयुष्मान कार्ड

**तेंदूखेड़ा।** इन दिनों भारत सरकार द्वारा की गई घोषणा के अनुसार 70 वर्ष आयु वर्ग के सभी वृद्ध जनों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज कराने को लेकर आयुष्मान कार्ड बनवाये जा रहे हैं।जिसे लेकर आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर घर जाकर वृद्धों के कार्ड बनाने का काम जारी है।

### दिव्या यादव विकास खंड शिक्षा अधिकारी नियुक्त

तेंदूखेड़ा क्षेत्र के प्रतिष्ठित आदिवासी ग्राम दिलहरी के यादव परिवार की होनहार बेटी ने आदिवासी क्षेत्र सहित संपूर्ण तेंदूखेड़ा क्षेत्र का नाम रोशन करते हुए एम पी पी एस सी की परीक्षा में चयनित होने के साथ यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लगन और लक्ष्य दोनों निश्चित हो तो मंजिल अपने आप पास आ जाती है।सुश्री दिव्या यादव ने एम पी पीएस सी 2021 में चयन हुआ है उन्हें विकास खंड शिक्षा अधिकारी मोहखेडा जिला छिंदवाड़ा में पदस्थापना का आदेश मिला है।उनकी इस नियुक्ति पर क्षेत्रीय लोगों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

### निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण संबंधी बैठक 26 को

**हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के मान से फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 प्रचलित है। इस संबंध में रोल प्रेक्षक एवं आयुक्त जबलपुर की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण के संबंध में बैठक आयोजन 26 नवम्बर को अपरान्ह 3.30 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी।

### किसानों की समस्याओं निराकरण हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित

**हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।** खरीफ विपणन मौसम 2024- 25 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटे अनाज (ज्वार एवं बाजरा) की खरीदी के लिए पंजीकृत किसानों से उपार्जन का कार्य ई- उपार्जन पोर्टल पर दो दिसम्बर 2024 से 20 जनवरी 2025 तक किया जाना है। उपार्जन अवधि के दौरान उपार्जन प्रक्रिया में संस्थाओं एवं कृषकों को आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

### स्व. श्री मुशरान को दी श्रद्धांजलि

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कृषि रत्न स्व. श्याम सुंदर नारायण मुशरान की जयंती के अवसर पर एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा स्थानीय मुशरान पार्क में संस्था परिवार के प्रेरणा स्त्रोत स्व. श्याम सुन्दर नारायण मुशरान की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि सभा एवं मौन श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया। मनोहर हींगडे ने स्व. मुशरान के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार एन.सी.सी. अधिकारी मेजर डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया। इस अवसर पर दीपक सोनी, प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस.एन. राव, सहित समस्त स्टाफ मेंबर्स, एन.एस.एस. इकाई एवं एन.सी.सी. केडिट्स तथा छात्र-छात्राओं द्वारा विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

# ओआईसी श्री सोनी प्राचार्यों की ली बैठक

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** गत दिवस लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के ओआईसी चंद्र शेखर सोनी ने राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे 2024 में चयनित जिले के 15 हाई व हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्राचार्य की समीक्षा बैठक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) नरसिंहपुर में ली। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के ओआईसी श्री सोनी ने मॉक टेस्ट एक तथा दो, विमर्श पोर्टल पर राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे 2024 संबंधी उपलब्ध मटेरियल, विद्यालय में वर्तमान तक जनरेट अपार आईडी के संबंधी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों के दस्तावेज पूर्णतः अद्यतन हैं उनकी अपार आईडी शीघ्र तैयार करें। अर्धवार्षिक परीक्षा की अच्छे से तैयारी करें उसके परिणाम विमर्श पोर्टल पर विश्लेषण किया जाएगा। समीक्षा बैठक में चयनित विद्यालयों में 22 एवं 23 तथा 25 एवं 26 नवम्बर 2024 को

राज्य की टीम द्वारा विद्यालय का निरीक्षण किया जावेगा। बैठक में सहायक एसीपी समग्र शिक्षा हायर सेकेण्डरी दीपक अग्निहोत्री ने जिले में नेस की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने चयनित विद्यालयों में कक्षा 9 वीं के बच्चों के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे के आयोजन के लिए की जाने वाली तैयारी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सभी प्राचार्य द्वारा विद्यालय में नेस के मॉक टेस्ट संबंधित जानकारी दी गई। बैठक में जिला नेस नोडल अधिकारी गोविंद बड़कुर, सहायक संचालक एएस मशराम, तरुण मालवीय, हाई स्कूल मुर्गाखेड़ा, नयागांव, सहावन, कन्हारगांव, गर्ल्स चीचली, समनापुर भटेरा, शासकीय हायर सेकेण्डरी विद्यालय मुंगवानी, सूखा खैरी, उमरिया (श्रीनगर), केरपानी, राघव कृषि बोहानी, उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर एवं चांवरपाठा के प्राचार्य मौजूद थे।

## अंबेडकर पार्क में मनाई गई झलकारी बाई की जयंती

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** गत दिवस प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अमर शहीद वीरांगना झलकारी बाई कोरी की 150 वीं जयंती बड़े धूमधाम से कोरी तंतुवाय समाज समिति एवं अजाक्स संगठन के संयुक्त बैनर तले स्थानीय अंबेडकर पार्क में मनाई गई। उक्त अवसर पर संगठन के सभी पदाधिकारियों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीप्रज्ज्वलन किया गया। अतिथियों द्वारा क्रांतिकारी झलकारी बाई के जीवन पर प्रकाश डाला गया। मंच का संचालन करते हुए कोरी तंतुवाय समाज समिति युवा कार्यकारिणी के जिलाध्यक्ष धनीराम कोरी ने वर्तमान परिपेक्ष्य में वर्ग के उत्थान में राष्ट्रीय चुनौतियां विषय पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में कोरी समाज के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कोरी, नवलकिशोर, श्रीमती तरुण लता धुर्वे, श्रीमती प्रतिभा किशनपुरी, ओ पी जमीदार, राजेश कोरी, डोरीलाल कोरी, अर्जुन कोरी, अनिल बुनकर, सुनील कोरी राकेश कोरी, करेली से शिक्षक संदीप कोरी, अजाक्स संगठन के संभागीय उपाध्यक्ष रंजीत चौधरी, जिला चिकित्सा प्रभारी घनश्याम जाटव, संरक्षक एम के अहिरवार, विरजू जाटव, नंदलाल अहिरवार, जगदीश किशनपुरी, जमना प्रसाद बुनकर सहित अन्य उपस्थित रहे।

### श्री पटेल ने किया पदभार ग्रहण

**हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।** गत दिवस जिला सहायक लोक अभियोजन अधिकारी रामकुमार पटेल द्वारा पदभार ग्रहण किया गया। इस मौके पर द्विज सिंह सेंगर एवं मनु श्रीवास, इंद्रमणि गुप्ता, श्रीमती सोनाली तिवारी आदित्य तिवारी, घनश्याम प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी गई।

## जिला स्तरीय उपार्जन समिति का गठन

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटे अनाज (ज्वार एवं बाजरा) उपार्जन के लिए धान उपार्जन से संबंधित समस्त विवादों का अंतिम निराकरण, उपार्जन व्यवस्थाओं की समीक्षा, पंजीयन केंद्रों के पर्यवेक्षण एवं अन्य विषयों पर निर्णय लेने के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिला स्तरीय उपार्जन समिति का गठन किया है। जारी आदेश के अनुसार उपार्जन समिति की अध्यक्ष कलेक्टर और जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला लीड बैंक अधिकारी, उप संचालक कृषि विकास एवं किसान कल्याण, उपायुक्त सहकारी संस्थायें, जिला सूचना अधिकारी एनआईसी, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जिला विपणन अधिकारी मार्कफेड, मप्र वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन के जिला प्रबंधक, मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन के जिला प्रबंधक, अधीक्षक भू- अभिलेख व सचिव कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर को सदस्य बनाया गया है।

## खो खो में अनिशा, यशस्वरी व कबीर का चयन

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता का आयोजन जबलपुर मे किया गया। यूनिटी खो खो क्लब द्वारा 43 वी राज्य स्तरीय जूनियर खो खो प्रतियोगिता में भारतीय खो खो महासंघ के सह सचिव एवं मध्य प्रदेश खो खो संघ के सचिव विश्वामित्र अवॉर्डी संजय यादव द्वारा मध्य प्रदेश टीम के लिए बच्चे एवं बच्चियों का चयन किया गया जिसमें नरसिंहपुर के बालिका वर्ग में अनिशा कोरी एवं यशस्वरी यादव बालक वर्ग में कबीर खत्री का चयन हुआ यह मध्य प्रदेश की टीम में अपनी सहभागिता करेंगे। नेशनल प्रतियोगिता 25 से 27 नवंबर अलीगढ़ उत्तर प्रदेश में आयोजित होगी।

### एन सी सी दिवस पर कैडेट्स ने निकाली जनजागरण रैली

**तेंदूखेड़ा।** शनिवार को एन सी सी के 76 वें स्थापना दिवस पर 2 एम पी गर्ल्स बटालियन के निर्देशानुसार संत मोनी सर्वोदय महिला महाविद्यालय के एन सी सी कैडेट्स के द्वारा नगर के मुख्य मार्गो से एक विशाल जनजागरण रैली वेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर्यावरण सुरक्षा संरक्षण स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न विंदुओं पर जन जागरण किया गया। कैडेट्स द्वारा पोस्टर बनाकर स्लोगन लेखन का कार्य किया गया।इस रैली के सफल संचालन में प्राचार्य डॉ किरण प्रभा जैन एवं एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट रोमी मालवीय का मार्गदर्शन रहा।

## शिक्षक पर प्राणघातक हमलावर को कठोर दंड देने सौंपा ज्ञापन

**तेंदूखेड़ा।** विगत दिनों जनपद चांवरपाठा के ग्राम पदम केसली प्राथमिक शाला में बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षक सतीश पिता सियाराम रिछारिया ग्राम के ही पन्ना लाल उर्फ पन्नी नोरिया पिता भोपाल सिंह नोरिया ने कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया था। स्कूल पहुंचे ग्रामीण ने गाली-गलौज करते हुए जैसे ही कुल्हाड़ी से वार किया तो शिक्षक ने खुद को बचाने के लिए दोनों हाथ सामने कर कुल्हाड़ी पकड़ने प्रयास किया जिससे उनके दोनों हाथ जख्मी हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पहुंचे साथी शिक्षकों ने घायल शिक्षक को अस्पताल भेजा जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।इस घटना की जानकारी लगते ही मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पदाधिकारियों कड़े शब्दों में रोष जताते हुए घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को कड़ा दंड देने की मांग की है।संभागीय सदस्य परवेज अख्तर खान ब्लाक अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में ब्लाक इकाई चावरपाठा द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सौंपे गए ज्ञापन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तेंदूखेड़ा और थाना प्रभारी तेंदूखेड़ा को संबोधित करते हुए शाला संचालन के दौरान शिक्षक पर हुए प्राण घातक हमले में दोषी व्यक्ति को तत्काल पकडने और शिक्षकों की

सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। गौरतलब रहे कि बीते चार माह में शिक्षकों और स्कूलों में हमले और चोरी की घटना लगातार बढ़ती जा रही है।जिससे संपूर्ण शिक्षण जगत चिंतित हैं और विद्यार्थियों की सुरक्षा शिक्षक की गुणवत्ता के प्रति भी अस्वस्थ नजर नहीं आ पा रहा है। शिक्षक पर हुए प्राणघातक हमले को लेकर कड़े शब्दों में रोष व्यक्त करते मौके पर उपस्थित बीआरसी चांवरपाठा सुनील श्रीवास्तव राजेश सेन राकेश भटेले वीरेंद्र सेन जनशिक्षक महेश ठाकुर ज्ञान सिंह कौरव सुरेश पटेल आशुतोष तिवारी दशरथ ठाकुर तामराज पाली नारायण पटेल श्रीधर मिश्रा शारदा साहू इत्यादि ने जिला प्रशासन से शिक्षकों को कार्य स्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताते हुए कार्यस्थल पर कर्मचारी को सुरक्षा का आश्वासन की पुरजोर वकालत की है।

आरोपी पकड़ने टीम गठित

घटना के संबंध में तेंदूखेड़ा थाने से नगर निरीक्षक बलबीर सिंह चौधरी ने बताया कि चूंकि पीड़ित शिक्षक तत्काल इलाज की दृष्टि से पहले करेली चले गए थे फिर वहां से एक प्राइवेट अस्पताल चले गए थे इस कारण से मामला सिंहपुर चौकी में जीरो पर कायम कर लिया था लेकिन घटना तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र की होने के कारण कायमी तेंदूखेड़ा थाने में कर ली गई है एवं पीड़ित के भाई से मिलीं शिकायत के आधार पर भी आरोपी पन्नी नोरिया के खिलाफ बी एन एस की धारा 115-2 118-1 296 351-2 के तहत मामला कायम कर आरोपी को पकड़ने टीम गठित कर भेजी गई है जिसे शीघ्र ही पकड़ लिया जायेगा एवं आवश्यक कार्यवाही कर जेल भेज दिया जाएगा।

## पारिवारिक विवाद में पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

**गोटेगांव।** स्थानीय थाना के अंतर्गत झोतेश्वर चौकी के ग्राम लाठगांव में पारिवारिक विवाद के चलते एक पति ने अपनी पत्नी की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस सनसनीखेज घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी पति को तत्काल गिरफ्तार कर लिया और उसे न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस के अनुसार, आरोपी पति परसोत्तम चौधरी और उसकी पत्नी सावित्री चौधरी के बीच पिछले कुछ समय से घरेलू विवाद चल रहा था। शुक्रवार रात को दोनों के बीच किसी बात को लेकर फिर से कहासुनी हुई, जो बढ़ते-बढ़ते हिंसक झगड़े में तब्दील हो गई। गुस्से में आरोपी ने शनिवार सुबह पास में पड़ी लोहे की रॉड उठाकर पत्नी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण पत्नी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

### आरोपी पति पर हत्या का मामला दर्ज

घटना की सूचना मिलते ही थाना गोटेगांव एवं झौतेश्वर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आरोपी पति पुरुषोत्तम चौधरी को हिरासत में ले लिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सौंपकर धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मृतक युवती के परिजनों ने बताया कि आरोपी पति अक्सर शराब के नशे में पत्नी के साथ झगड़ा करता था। हालांकि, इस बार बात इतनी बढ़ जाएगी, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

### पुलिस ने क्षेत्रवासियों से की अपील

पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि वे अपने आसपास घरेलू हिंसा या पारिवारिक विवादों के मामले देखते हैं, तो तत्काल पुलिस या संबंधित अधिकारियों को सूचना दें। इस तरह की सतर्कता से ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। यह घटना घरेलू हिंसा और पारिवारिक विवादों के खतरनाक परिणामों की ओर इशारा करती है। ऐसे मामलों में परिवार और समाज के सदस्यों को समय रहते हस्तक्षेप करना बेहद जरूरी है ताकि ऐसे दुखद परिणामों को टाला जा सके।